पी.जी.डी.आई.बी.ओ

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.आई.बी.ओ)

सत्रीय कार्य

(आई. बी. ओ-01 से आई. बी. ओ-06 तक)

2026

जनवरी 2026 तथा जुलाई 2026 प्रवेश सत्र के लिए

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – **110068**

सत्रीय कार्य – 2026–2027

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, इस कार्यक्रम में आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य आपको एक साथ भेजे जा रहे हैं।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इन सत्रीय कार्यों को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

यह सत्रीय कार्य दो प्रवेश सत्र अर्थात् (**जनवरी 2026 और जुलाई 2026**) के लिए वैध है, इसकी वैधता निम्नलिखित है :–

1. जो **जनवरी 2026** में पंजीकृत है उनकी वैधता **दिसंबर 2026** है।
2. जो **जुलाई 2026** में पंजीकृत है उनकी वैधता **जून 2027** तक है।

यदि आप जून सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो इन्हें **15 मार्च** तक अवश्य जमा कर दें। यदि आप दिसम्बर सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो आपके लिए आवश्यक है कि आप इन्हें **15 सितम्बर** तक अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा कर दें।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**आई. बी. ओ. -06**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय वित्त**
सत्रीय कार्य का कोड	**:**	**आई. बी. ओ. -06/ टी. एम. ए. / 2026**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए

1. (क) अंतरराष्ट्रीय व्यापार वित्त के क्षेत्र एवं महत्व की व्याख्या कीजिए। बहुराष्ट्रीय उद्यमों में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय निर्णय घरेलू वित्तीय निर्णयों से किस प्रकार भिन्न होते हैं, इस पर चर्चा कीजिए। **(10+10)**

(ख) विदेशी विनिमय जोखिम क्या है? बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा सामना किए जाने वाले विदेशी विनिमय जोखिम के विभिन्न प्रकारों की व्याख्या कीजिए तथा इन जोखिमों के प्रबंधन के लिए अपनाई जाने वाली विधियों पर चर्चा कीजिए।

2. (क) क्रय शक्ति समता सिद्धांत (Purchasing Power Parity – PPP) तथा ब्याज दर समता सिद्धांत (Interest Rate Parity – IRP) की व्याख्या कीजिए। आधुनिक वित्तीय परिवेश में विनिमय दरों के निर्धारण में इन सिद्धांतों की प्रासंगिकता का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। **(10+ 10)**

(ख) अंतरराष्ट्रीय वित्तीय स्थिरता एवं आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों जैसे अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) एवं विश्व बैंक की भूमिका का परीक्षण कीजिए।

3. निम्नलिखित पर टिप्पणियां कीजिए : **(4X5)**

(क) "तेजी से अस्थिर होते वैश्विक वित्तीय परिवेश में विदेशी विनिमय जोखिम प्रबंधन बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए एक रणनीतिक आवश्यकता बन गया है।"

(ख) "भुगतान संतुलन (Balance of Payments) केवल अंतरराष्ट्रीय लेन-देन का अभिलेख ही नहीं है, बल्कि यह किसी देश की आर्थिक शक्ति एवं कमजोरियों का भी प्रतिबिंब है।"

(ग) "अंतरराष्ट्रीय वित्तपोषण स्रोतों का चयन बहुराष्ट्रीय कंपनियों की पूंजी लागत तथा जोखिम प्रोफ़ाइल(risk profile) को प्रभावित करता है।"

(घ) "विनिमय दरों में होने वाले परिवर्तन अंतरराष्ट्रीय निवेश तथा व्यापार प्रतिस्पर्धात्मकता को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करते हैं।"

4. निम्नलिखित में अंतर स्पष्ट कीजिए : **(4X5)**

(क) घरेलू वित्त बनाम अंतरराष्ट्रीय वित्त (Domestic Finance **vs** International Finance)

(ख) स्थिर विनिमय दर प्रणाली बनाम परिवर्ती विनिमय दर प्रणाली (Fixed Exchange Rate System **vs** Floating Exchange Rate System)

(ग) लेन-देन जोखिम बनाम अनुवाद जोखिम (Transaction Exposure **vs** Translation Exposure)

(घ) विदेशी बांड बनाम यूरोबांड (Foreign Bonds **vs** Eurobonds)

5. निम्नलिखित पर संक्षेप में व्याख्या कीजिए : **(4X5)**

(क) मुद्रा वायदा एवं विकल्प (Currency Futures and Options)

(ख) अंतरराष्ट्रीय पूंजी बजटिंग (International Capital Budgeting)

(ग) देश जोखिम विश्लेषण (Country Risk Analysis)

(घ) अंतरराष्ट्रीय तरलता (International Liquidity)